११. स्वतंत्रता गान

– गोपालसिंह नेपाली

संभाषणीय

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम संबंधी पढ़ी/सुनी किसी प्रेरणादायी घटना/प्रसंग पर चर्चा कीजिए :–

कृति के लिए आवश्यक सोपान :

● भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रारंभ और उसमे सम्मिलित सेनानियों के नाम पूछें । ● अपने परिसर की किसी ऐतिहासिक भूमि के बारे में बताने के लिए कहें । ● किसी सेनानी के जीवन की प्रेरणादायी घटना का महत्त्वपूर्ण अंश कहलवाएँ । ● यदि विद्‌यार्थी सेनानी के स्थान पर होते तो क्या करते, बताने के लिए प्रेरित करें ।

घोर अंधकार हो,
चल रही बयार हो,
आज द्‌वार-द्‌वार पर यह दिया बुझे नहीं,
यह निशीथ का दिया ला रहा विहान है ।

शक्ति का दिया हुआ,
शक्ति को दिया हुआ,
भक्ति से दिया हुआ,
यह स्वतंत्रता दिया हुआ,
रुक रही न नाव हो,
जोर का बहाव हो,
आज गंगधार पर यह दिया बुझे नहीं,
यह स्वदेश का दिया प्राण के समान है ।

यह अतीत कल्पना,
यह विनीत प्रार्थना,
यह पुनीत भावना,
यह अनंत साधना,
शांति हो, अशांति हो,
युद्‌ध, संधि, क्रांति हो,
तीर पर, कछार पर, यह दिया बुझे नहीं,
देश पर, समाज पर, ज्योति का वितान है ।

परिचय

जन्म : ११ अगस्त १९११ बेतिया, चंपारण (बिहार)
मृत्यु : १७ अप्रैल १९६३
परिचय : इनका मूल नाम गोपाल बहादुर सिंह है । आप हिंदी के छायावादोत्तर काल के कवियों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखते हैं । कविता के क्षेत्र में आपने राष्ट्र प्रेम, प्रकृति प्रेम तथा मानवीय भावनाओं का सुंदर चित्रण किया है ।
प्रमुख कृतियाँ : उमंग, पंछी, रागिनी, नीलिमा, पंचमी, रिमझिम आदि (काव्य संग्रह), रतलाम टाइम्स, चित्रपट, सुधा एवं योगी नामक चार पत्रिकाओं का संपादन ।

पद्‌य संबंधी

प्रेरणागीत : प्रेरणागीत वे गीत होते हैं जो हमारे दिलों में उतरकर हमारी जिंदगी को जूझने की शक्ति और आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं ।

प्रस्तुत कविता में गोपाल सिंह नेपाली जी ने स्वतंत्रता के दीपक को हर परिस्थिति में प्रज्वलित रखने के लिए प्रेरित किया है ।

तीन-चार फूल हैं,
आस-पास धूल है,
बाँस हैं-बबूल हैं,
घास के दुकूल हैं,
वायु भी हिलोर दे,
फूँक दे, चकोर दे,
कब्र पर, मजार पर, यह दिया बुझे नहीं,
यह किसी शहीद का पुण्य प्राण दान है ।

झूम-झूम बदलियाँ
चूम-चूम बिजलियाँ,
आँधियाँ उठा रहीं,
हलचलें मचा रहीं,
लड़ रहा स्वदेश हो,
यातना विशेष हो,
क्षुद्र जीत-हार पर, यह दिया बुझे नहीं,
यह स्वतंत्र भावना का स्वतंत्र गान है ।

—०—

शब्द संसार

बयार (स्त्री.सं.) = हवा
निशीथ (स्त्री.सं.) = निशा, रात
विहान (पुं.सं.) = सवेरा
कछार (पुं.सं.) = किनारा
वितान (पुं.सं.) = आकाश, गगन
दुकुल (पुं.सं.) = दुपट्टा
हिलोर (स्त्री.सं.) = लहर

पठनीय

भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान क्षेत्र संबंधी जानकारी पढ़िए और छोटी-सी टिप्पणी तैयार कीजिए ।

पाठ के आँगन में

(१) 'यह स्वतंत्र भावना का स्वतंत्र गान है' इस पंक्ति में आई कवि की भावना स्पष्ट कीजिए ।

(२) उचित जोड़ियाँ मिलाइए :

अतीत	प्रार्थना
पुनीत	साधना
अनंत	भावना
विनीत	कल्पना
	अशांति

श्रवणीय

क) राष्ट्रभक्ति पर आधारित कोई कविता सुनिए ।
ख) अपने देश की विविधताएँ सुनिए ।

लेखनीय

समूह बनाकर भारत की विशेषता बताने वाले संवाद का लेखन कीजिए तथा समारोह में उसकी प्रस्तुति कीजिए ।

कल्पना पल्लवन

'विश्व स्तर पर भारत की पहचान निराली है', स्पष्ट कीजिए ।

पाठ से आगे

अंतरजाल/ग्रंथालय से 'दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन' (सार्क) में भारत की भूमिका की जानकारी प्राप्त करके टिप्पणी लिखिए ।

8QLJKC

व्याकरण विभाग

(१) **शब्द**

(२) **विकारी शब्द और उनके भेद**

संज्ञा	सर्वनाम	विशेषण	क्रिया
जातिवाचक	पुरुषवाचक	गुणवाचक	सकर्मक
व्यक्तिवाचक	निश्चयवाचक	परिमाणवाचक १.निश्चित २.अनिश्चित	अकर्मक
भाववाचक	अनिश्चयवाचक निजवाचक	संख्यावाचक १. निश्चित २. अनिश्चित	संयुक्त
द्रव्यवाचक	प्रश्नवाचक	सार्वनामिक	प्रेरणार्थक
समूहवाचक	संबंधवाचक	–	सहायक

अविकारी शब्द (अव्यय)

क्रियाविशेषण अव्यय
संबंधसूचक अव्यय
समुच्चयबोधक अव्यय
विस्मयादिबोधक अव्यय

(३) क्रिया के काल

- वर्तमान काल → सामान्य, अपूर्ण, पूर्ण
- भूतकाल → सामान्य, अपूर्ण, पूर्ण
- भविष्य काल → सामान्य

(७) **वाक्य के प्रकार**

रचना की दृष्टि से
(१) साधारण
(२) मिश्र
(३) संयुक्त

अर्थ की दृष्टि से
(१) विधानार्थक
(२) निषेधार्थक
(३) प्रश्नार्थक
(४) आज्ञार्थक
(५) विस्मयाधिबोधक
(६) संदेशसूचक

(४) **शुद्धीकरण–** वाक्यों, शब्दों को शुद्ध रूप में लिखना ।

(८) **संधि**
- स्वर संधि
- व्यंजन संधि
- विसर्ग संधि

(५) **मुहावरों का प्रयोग/चयन करना**

(६) **शब्द संपदा–** व्याकरण ५ वीं से ८ वीं तक

शब्दों के लिंग, वचन, विलोमार्थक, समानार्थी, पर्यायवाची, शब्दयुग्म, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, भिन्नार्थक शब्द, कठिन शब्दों के अर्थ, विरामचिह्न, उपसर्ग-प्रत्यय पहचानना/अलग करना, लय-ताल युक्त शब्द ।

रचना विभाग

- पत्रलेखन (व्यावसायिक /कार्यालयीन)
- कहानी लेखन
- गद्‌य आकलन
- प्रसंग वर्णन / वृत्तांत लेखन
- विज्ञापन
- निबंध

पत्रलेखन

कार्यालयीन पत्र

कार्यालयीन पत्राचार के विविध क्षेत्र :-

- ✼ बैंक, डाकविभाग, विद्‌युत विभाग, दूरसंचार, दूरदर्शन आदि से संबंधित पत्र
- ✼ महानगर निगम के अन्यान्य / विभिन्न विभागों में भेजे जाने वाले पत्र
- ✼ माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल से संबंधित पत्र
- ✼ अभिनंदन/प्रशंसा (किसी अच्छे कार्य से प्रभावित होकर) पत्र लेखन करना ।
- ✼ सरकारी संस्था द्‌वारा प्राप्त देयक (बिल आदि) से संबंधित शिकायती पत्र

व्यावसायिक पत्र

व्यावसायिक पत्राचार के विविध क्षेत्र :-

- ✼ किसी वस्तु/सामग्री/ पुस्तकें आदि की माँग करना ।
- ✼ शिकायती पत्र - दोषपूर्ण सामग्री/ चीजें/ पुस्तकें/ पत्रिका आदि प्राप्त होने के कारण पत्रलेखन
- ✼ आरक्षण करने हेतु (यात्रा के लिए) ।
- ✼ आवेदन पत्र - प्रवेश, नौकरी आदि के लिए ।

प्रशंसा पत्र

- प्रशंसनीय कार्य करने के उपलक्ष्य में
- उद्‌यान विभाग प्रमुख

अनुपयोगी वस्तुओं से आकर्षक तथा उपयुक्त वस्तुओं का निर्माण - उदा. आसन व्यवस्था, पेय जल सुविधा, स्वच्छता गृह आदि ।

अभिनंदन/प्रशंसा पत्र

- प्रशंसनीय कार्य के उपलक्ष्य में
- बस स्थानक प्रमुख

ब्रेक फेल होने के बाद चालक ने अपनी समयसूचकता तथा होशियारी से सभी यात्रियों के प्राण बचाए ।

कहानी लेखन

- ✲ मुद्दों के आधार पर कहानी लेखन करना ।
- ✲ शब्दों के आधार पर कहानी लेखन करना ।
- ✲ किसी कहावत, सुवचन, मुहावरे, लोकोक्ति पर आधारित कहानी लेखन करना ।

मुहावरे, कहावतें, सुवचन, लोकोक्तियाँ

मुहावरे–

- ✲ आँखों पर परदा पड़ना ।
- ✲ एड़ी-चोटी का जोर लगाना ।
- ✲ रुपया पानी की तरह बहाना ।
- ✲ पहाड़ से टक्कर लेना ।
- ✲ जान हथेली पर धरना (रखना) ।
- ✲ लकीर का फकीर होना ।
- ✲ पगड़ी सँभालना ।
- ✲ काला अक्षर भैंस बराबर ।
- ✲ घाट-घाट का पानी पीना ।
- ✲ अकल के घोड़े दौड़ाना ।
- ✲ पत्थर की लकीर होना ।
- ✲ भंडाफोड़ करना ।
- ✲ रंगा सियार होना ।
- ✲ हाँ में हाँ मिलाना

लोकोक्तियाँ तथा कहावतें

- ✲ अंधों में काना राजा ।
- ✲ ओखली में सिर दिया तो मूसलों का क्या डर ।
- ✲ चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए ।
- ✲ जहाँ न पहुँचे रवि, वहाँ पहुँचे कवि ।
- ✲ अंधा बाँटे रेवड़ी अपने कुल को देय ।
- ✲ अंधेर नगरी चौपट राजा ।
- ✲ आँख और कान में चार अंगुल का अंतर है ।
- ✲ अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत ।
- ✲ हाथ कंगन को आरसी क्या ?
- ✲ चोर की दाढ़ी में तिनका ।
- ✲ कोयले की दलाली में हाथ काला ।
- ✲ अधजल गगरी छलकत जाए ।
- ✲ निंदक नियरे राखिए ।
- ✲ ढाक के तीन पात ।

सुवचन

- ✲ वसुधैव कुटुंबकम् ।
- ✲ सत्यमेव जयते ।
- ✲ पेड़ लगाओ, पृथ्वी बचाओ ।
- ✲ जल ही जीवन है ।
- ✲ पढ़ेगी बेटी तो सुखी रहेगा परिवार ।
- ✲ अनुभव महान गुरु है ।
- ✲ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ।
- ✲ अतिथि देवो भवः ।
- ✲ राष्ट्र ही धन है ।
- ✲ जीवदया ही सर्वश्रेष्ठ है ।
- ✲ असफलता सफलता की सीढ़ी है ।
- ✲ श्रम ही देवता है ।
- ✲ राखौ मेलि कपूर में, हींग न होत सुगंध ।
- ✲ करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर कहानी लिखिए तथा उसे उचित शीर्षक देकर उससे प्राप्त होने वाली सीख भी लिखिए :

१) एक लड़की ——— विद्यालय में देरी से पहुँचना ——— शिक्षक द्वारा डाँटना ——— लड़की का मौन रहना ——— दूसरे दिन समाचार पढ़ना ——— लड़की को गौरवान्वित करना ।

२) मोबाइल ——— लड़का ——— गाँव ——— सफर ———

✲ प्रश्न निर्मिति के लिए निम्नलिखित प्रश्नचार्ट उपयुक्त हो सकता है ।

प्रश्नचार्ट-

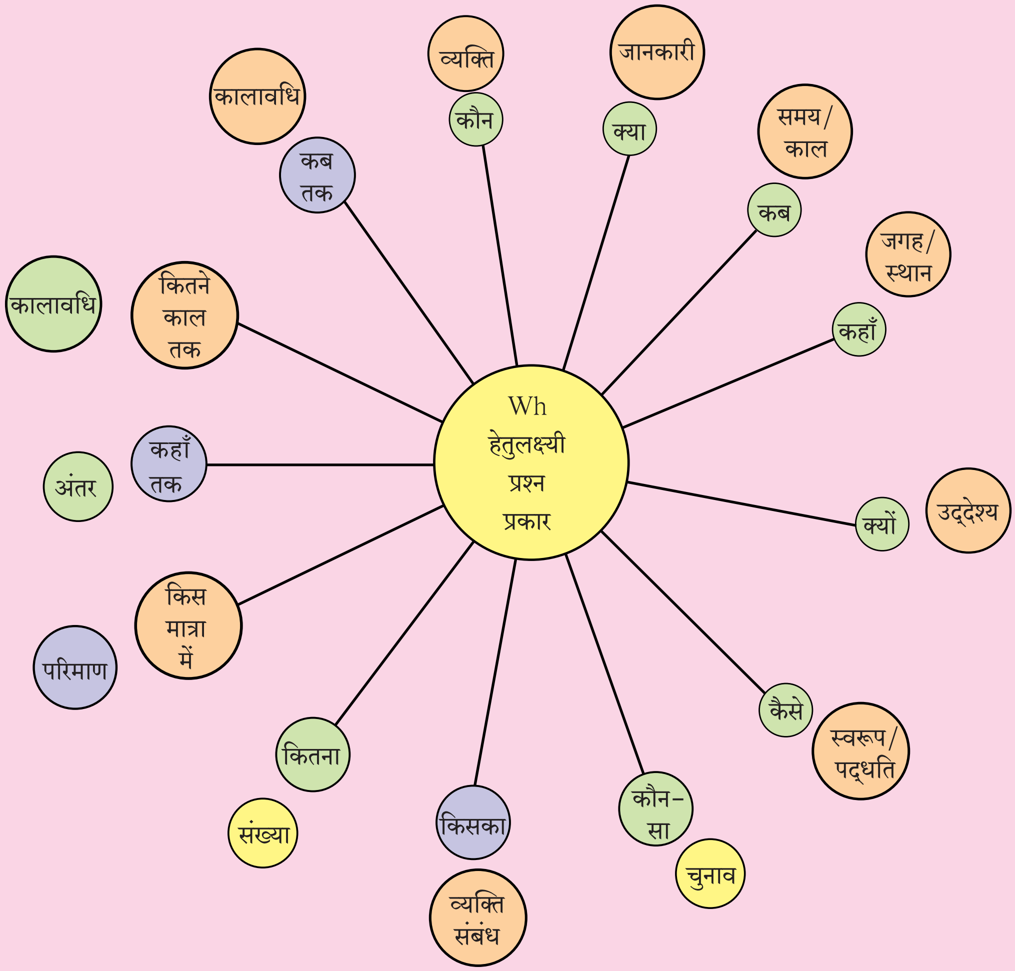

गद्‌य आकलन (प्रश्न तैयार करना)

निम्नलिखित गद्‌यांश पर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हो ।

किसी भी देश की संपत्ति उस देश के आदर्श विद्‌यार्थी ही होते हैं । विद्‌यार्थियों का चरित्र ही राष्ट्र की संपत्ति होता है । वह समय का मूल्यांकन करना जानता है । वह बैटिंग, सिनेमा, मोबाइल एवं अन्य मनोरंजनों में आवश्यकता से अधिक लिप्त नहीं होता है । उसके सामने सदा मंजिल रहती है और उसे ज्ञात है कि इन प्रलोभनों के वश में न होकर परिश्रम, तप, त्याग और साधना के कटंकाकीर्ण पथ पर चलकर ही वह कुछ बन सकता है । परिवार के लिए, समाज के लिए, राष्ट्र के लिए एवं समूचे विश्व के लिए वह तभी कुछ करने की क्षमता प्राप्त कर सकता है जब वह अपनी सर्वांगीण उन्नति करने का सामर्थ्य रखता हो ।

वह विद्‌यारूपी समुद्र का मंथन करके ऐसे मोती प्राप्त कर सकता है जो आज तक अनबिद्‌ध रहे हों ।

प्रश्न-

(१) किसी भी देश की संपत्ति कौन होते हैं ?

(२) विद्‌यार्थी क्या करना जानता है ?

(३) विद्‌यार्थी किसके लिए कुछ क्षमता प्राप्त कर सकता है ?

(४) विद्‌यार्थी किस प्रकार के मोती प्राप्त कर सकता है ?

(५) आप इस गद्‌यांश को कौन-सा शीर्षक देना उचित समझेंगे ?

● वृत्तांत लेखन

अपनी पाठशाला में मनाए गए 'वाचन प्रेरणा दिवस/हिंदी दिवस/विज्ञान दिवस/राजभाषा दिवस/ शिक्षक दिवस/ वसुंधरा दिवस/ क्रीड़ा दिवस आदि का वृत्तांत रोचक भाषा में लिखिए । (लगभग ६० से ८० शब्दों में)

● प्रसंग वर्णन

निम्नलिखित जानकारी पढ़कर उससे संबंधित प्रसंग लगभग ६० से ७० शब्दों में लिखिए ।

(१) कूड़ेदान से कूड़ा-कचरा आसपास फैला हुआ है, उसी में कुछ आवारा कुत्ते तथा अन्य जानवर घूम रहे हैं साथ ही कुछ गाए प्लास्टिक की थैलियों को चबा-चबा कर खा रही हैं ।...

❊विज्ञापन❊

निम्न विषयों पर विज्ञापन तैयार किए जा सकते हैं ।

(१) वस्तुओं की उपलब्धि :- नवनिर्मित (किसी भी वस्तु संबंधी)
जैसे- किताबें, कपड़े, घरेलू आवश्यक वस्तुएँ, उपकरण, फर्नीचर, स्टेशनरी, शालोपयोगी वस्तुएँ तथा उपकरण आदि ....

(२) शैक्षिक :- शिक्षा में संबंधित योगासन तथा स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छ, सुंदर शुद्ध लिखावट, चित्रकला, इंटरनेट तथा विविध ऐप्स आदि कलाओं से संबंधित अभ्यास वर्ग, व्यक्तित्व विकास शिविर आदि -

(३) आवश्यकता :- वाहक-चालक, सेवक, चपरासी, द्‌वारपाल, सुरक्षा रक्षक, व्यवस्थापक, लिपिक, अध्यापक, संगणक अभियंता, आदि ......

(४) व्यापार विषयक :- दूकान, विविध वाहन, उपकरण, मकान, मशीन, गोदाम, टी. वी., संगणक, भूखंड, रेफ्रीजरेटर आदि

(५) मनोरंजन तथा ज्ञानवर्धन :- व्याख्यानमाला, परिसंवाद, नाटक वार्षिकोत्सव, विविध विशेष दिनों के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम समारोह आदि......

(६) पर्यटन संबंधी :- यात्रा विषयक, आरक्षण आदि

(७) वैयक्तिक :- श्रद्‌धांजली, शोकसंदेश, जयंती, पुण्यतिथि, गृहप्रवेश, बधाई आदि

निबंध लेखन

निबंध

वैचारिक	वर्णनात्मक	कल्पनाप्रधान	चरित्रात्मक	आत्मकथात्मक
(१) सेल्फी : सही या गलत	विज्ञान प्रदर्शनी का वर्णन	यदि श्यामपट बोलने लगा	मेरा प्रिय रचनाकार	भूमिपुत्र की आत्मकथा
			मेरे आदर्श	
(२) अकाल : एक भीषण समस्या	नदी किनारे एक शाम	यदि किताबें न होतीं		मैं हूँ भाषा

विद्‌यार्थियों द्‌वारा बनाए गए हस्तकला तथा चित्रकला की वस्तुओं की प्रस्तुति करने के लिए विज्ञापन

- विशेषताएँ तथा उद्‌देश्य
- स्थान, समय, तिथि

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे–४११००४.

हिंदी लोकभारती, इयत्ता नववी (हिंदी भाषा)

₹ 50.00

हिंदी लोकभारती, इयत्ता नववी (हिंदी भाषा)